सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 274 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 12 नवम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

शिखर तक पहुंचने के लिए ताकत चाहिए होती है, चाहे वो माउन्ट एवरेस्ट का शिखर हो या आपके पेशे का।
-डॉ. अब्दुल कलाम

'मोदी-योगी देश तोड़ने पर... 7 | और चटक होने लगा महाराष्ट्र में... 3 | सीएम को पीडीए का फुलफॉर्म... 2

इंडिया गठबंधन ने हिलाईं भाजपा की चूलें

विपक्ष की रणनीति से घबराई बीजेपी

लोस चुनाव में मिले झटके के बाद उतारा 'सबका साथ-सबका विकास' का चोला

» फिर से हिंदू-मुसलमान की राजनीति पर लौटी भाजपा
» मोदी-योगी के बांटने वाले नारों में दिख रहा हार का डर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में जारी चुनावी माहौल में राजनीतिक दलों और उनके नेताओं द्वारा राजनीतिक बयानबाजी और एक-दूसरे पर सियासी हमले लगातार जारी हैं। इस दौरान नेताओं द्वारा तरह-तरह के चुनावी नारे भी दिए जा रहे हैं, जिसके जरिए वो जनता को लुभाने का प्रयास कर रहे हैं। अब किसके नारों से जनता खुश होती है और किसके वादों पर जनता विश्वास करती है, ये तो आने वाले वक्त में ही पता चलेगा। लेकिन जिस तरह से भाजपा ने एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे और बटेंगे तो कटेंगे, जैसे नारे दिए हैं, उससे स्पष्ट है कि भाजपा एक बार फिर अब सिर्फ हिंदू-मुसलमान करने पर उतारू है।

शायद बीजेपी को ये पता है कि सिर्फ ये ही एक हथियार है जिसकी दम पर वो जनता को बांट सकती है और वोट जुटा सकती है। भाजपा का ये हाल लोकसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन के बाद हुआ है। जिससे ये साबित होता है कि इंडिया गठबंधन ने भाजपा की चूलें हिला दीं, उसी का नतीजा है कि कभी सबका साथ सबका विकास की बातें करने वाली बीजेपी फिर से हिंदू-मुसलमान की अपनी पुरानी राजनीति पर वापस लौट आई है। क्योंकि लोकसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन ने जिस तरह से बीजेपी को कमजोर किया है, उसके बाद से बीजेपी और पीएम मोदी को ये एहसास हो गया कि हिंदू-मुसलमान करके ही वो जनता के बीच में बने रह सकते हैं।

लोकसभा चुनावों में बहुमत से दूर रह गई थी बीजेपी

राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन ने जिस तरह से जाति जनगणना और संविधान का मुद्दा उठाया और उसको लेकर भाजपा को घेरना शुरू किया। इसने जनता को काफी प्रभावित किया। जिसका असर हमें 2024 के लोकसभा चुनावों में भी देखने को मिला। जहां अबकी बार 400 पार का लक्ष्य लेकर चलने वाली भाजपा 250 सीटों तक भी नहीं पहुंच पाई। लोकसभा चुनाव के नतीजों ने भाजपा को हैरान कर दिया। क्योंकि चुनाव से पहले जिस तरह से इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर रस्साकशी मची हुई थी, उसको देखकर भाजपा को ये लग रहा था कि विपक्ष एकजुट नहीं है और इसका फायदा हमें मिलेगा। लेकिन जब नतीजे सामने आए तो बीजेपी के दिग्गजों के पैरों तले से जमीन ही खिसक गई। इन लोकसभा नतीजों को देखकर भाजपा को ये एहसास हो गया कि उनके पास इंडिया गठबंधन का मुकाबला करने के लिए कोई मुद्दा या विषय नहीं है। इसलिए उन्होंने फिर से समाज को बांटने का काम करना शुरू कर दिया और हिंदू-मुसलमान की खुली राजनीति करने लगी।

राहुल का पीएम मोदी को चैलेंज

बीजेपी को चैलेंज करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कह रहे हैं कि मैं मोदी जी से साफ कहना चाहता हूं आप देश भर में जातिगत जनगणना को रोक नहीं सकते। हम संसद में जातिगत जनगणना को पास करके दिखाएंगे और आरक्षण पर से 50 फीसदी की दीवार को तोड़ देंगे। नागपुर में संविधान सम्मान सम्मेलन में भी राहुल ने कहा था कि ये प्रक्रिया देश में होगी और ये दलितों, ओबीसी और आदिवासियों के साथ हुए अन्याय को सामने लाएगी। जाति जनगणना का सही अर्थ न्याय है। कांग्रेस पार्टी आरक्षण सीमा की 50 फीसदी की दीवार को भी गिरा देगी।

राहुल ने महाराष्ट्र में भी उठाया जाति जनगणना का मुद्दा

बीजेपी सतर्क तो हरियाणा विधानसभा चुनाव से ही हो गई थी, लेकिन ज्यादा अलर्ट झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर नजर आ रही है, क्योंकि राहुल गांधी लगातार जातीय जनगणना का मुद्दा जोर-शोर से उठा रहे हैं। हाल ही में राहुल ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि मोदी जी, आज से तेलंगाना में जातिगत सर्वे शुरू हो गया है। इससे मिलने वाले डेटा का इस्तेमाल हम प्रदेश के हर वर्ग के विकास के लिए नीतियां बनाने में करेंगे। जल्द ही ये महाराष्ट्र में भी होगा। राहुल गांधी के इस पोस्ट से ये साफ है कि अगर महाराष्ट्र चुनाव में महाविकास आघाड़ी की जीत हुई और कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनी, तो महाराष्ट्र में भी जाति जनगणना होगी और राहुल को ये पूरी उम्मीद है कि महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी सरकार बनाने जा रहा है। राहुल गांधी ने इसी बीच ये भी आरोप लगाया कि बीजेपी देश में जातीय जनगणना नहीं कराना चाहती है।

फिर से हिंदुत्व की राजनीति का राग अलापने लगी बीजेपी

यही वजह है कि केंद्र की सत्ता में आने के बाद से भले ही चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीजेपी को वोट दिलाने के लिए लोगों को श्मशान और कब्रिस्तान जैसी बहसों में उलझाते रहे हों, लेकिन बाकी दिनों में ज्यादा जोर सबका साथ सबका विकास पर ही देखने को मिलता रहा था। हालांकि, ये सिर्फ नारों और वादों तक ही सीमित था। लेकिन जिस तरह से लोकसभा चुनावों में प्रदर्शन रहा और राहुल गांधी व अखिलेश यादव ने संविधान और जाति जनगणना के मुद्दे पर जनता को प्रभावित करना शुरू कर दिया। भाजपा ने तुरंत ही अपना स्टैंड बदल दिया। जनहित की भलाई का चोंगा ओढ़े रखने वाली बीजेपी खुलकर अपने असली रंग में आ गई और सरेआम हिंदू-मुसलमान करने लगी। जिसका ही नतीजा प्रधानमंत्री मोदी और सीएम योगी के ये नए नारे हैं। जिनका भाव सबका साथ सबका विकास के भाव से बिल्कुल अलग है। एक हैं तो सेफ हैं, दरअसल, योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे जैसी ही ध्वनि पेश करता है। ये दोनों ही स्लोगन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की तरफ से हिंदुत्व और हिंदुओं की एकजुटता पर जब तब जोर देने वाली बातों को लगातार प्रमोट करने की की रणनीति का हिस्सा लगता है।

पीडीए बना भाजपा के लिए चुनौती

संविधान और जाति जनगणना के मुद्दे के साथ-साथ ही समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के पीडीए फॉर्मूले ने भी भाजपा की चूलें हिलाने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। पिछड़ा, दलित, अगड़ा या अल्पसंख्यक के अपने पीडीए फॉर्मूले के जरिए अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में भाजपा को बैकफुट पर ला रखा है। इस फॉर्मूले ने लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की ताकत को और भी मजबूत बनाया। जिसका नतीजा रहा कि यूपी में भाजपा व एनडीए को इंडिया गठबंधन के हाथों हार का सामना करना पड़ा। लोकसभा चुनावों के बाद से यूपी मे बीजेपी के अंदर लगातार कलह भी जारी है और समाजवादी पार्टी विपक्ष में होने के बाद भी सत्ताधारी दल पर भारी पड़ती दिख रही है। वजह ये ही है कि अखिलेश अपने पीडीए फॉर्मूले के जरिए आए दिन अलग-अलग मुद्दों पर सरकार को घेर रहे हैं। यही वजह है कि जब सीएम योगी ने बंटोगे तो कटोगे जैसा नारा दिया तो सपा-कांग्रेस ने इस पर एकसुर में पलटवार करना शुरू कर दिया।

जाति जनगणना के मुद्दे ने बीजेपी को पीछे धकेला

भाजपा को बैकफुट पर भेजने का काम राहुल गांधी ने जाति जनगणना के मुद्दे को उठाकर किया। जिसके चलते इंडिया गठबंधन जनता से आसानी से जुड़ने लगा, जिसका सीधा नुकसान बीजेपी को होने लगा। 2023 के आखिर में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान पहली बार जातीय राजनीति पर जोर देखा गया था। चुनावों से पहले ही बिहार से जातिगत गणना की मांग उठी थी और चुनाव कैंपेन के दौरान राहुल गांधी कांग्रेस की तकरीबन हर रैली में जोर शोर से उठाते रहे। लेकिन कांग्रेस को तेलंगाना छोड़कर किसी भी राज्य में कामयाबी नहीं मिल पाई थी। उस वक्त बीजेपी को ये नहीं लगा कि जातीय राजनीति कोई खास असर दिखा सकती है। विचार विमर्श के लिए बीजेपी ने ओबीसी नेताओं की कुछ बैठकें भी बुलाई और केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने सार्वजनिक सभाओं में कहा भी कि बीजेपी को जातीय जनगणना से कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन सही वक्त पर फैसला लिया जाएगा। लेकिन लोकसभा नतीजों ने भाजपा को हैरान कर दिया। जिसके बाद बीजेपी ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया।

सीएम को पीडीए का फुलफॉर्म पता नहीं : अखिलेश

» बोले- बीजेपी यूपी से आई है और यूपी से ही उनका सफाया होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में उपचुनावों में प्रचार तेजी से तीखे होते जा रहे हैं। जहां सीएम योगी सपा पर हमलावर है वहीं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी उनपर तीखे प्रहार करने से चूक नहीं रहें हैं। सपा प्रमुख ने मुरादाबाद के कुंदरकी में चुनावी जनसभा की। इस दौरान उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ पर जमकर निशाना साधा और कहा कि हमारे मुख्यमंत्री पढ़े-लिखे नहीं है इसलिए वो पीडीए की भी गलत फुल फॉर्म बता रहे हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि अगर प्रशासन ने बेईमानी नहीं की होती तो लोकसभा चुनाव में हमारी गिनती और बढ़ गयी होती। बीजेपी यूपी से आई है और यूपी से ही उनका सफाया होगा। इंडिया गठबंधन और पीडीए ने भाजपा को हरा दिया। बीजेपी के लोग नकारात्मक हैं इनकी सोच और राजनीति नकारात्मक है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री को अंग्रेजी नहीं आती है उन्होंने पीडीए का फॉर्म जो निकाला वह हमारी समझ में नहीं आ रहा। इसमें एच कहां से आ गया?

भेष बदलकर वोट मांग रहे हैं

भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह ठाकुर के टोपी और रुमाल पहनने पर अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी प्रत्याशी अपनी वेषभूषा बदलकर वोट मांग रहे है। सुना है वो बदल गए हैं रामायण जिन्होने देखी होगी वो जानते हैं हमारी सीता मैया का अपहरण भी भेष बदलकर हुआ था तो ऐसे लोगो से होशियार रहना है, भाजपा वालों ने हमारे जाने के बाद मंदिर धुलवाया, मुख्यमंत्री आवास धुलवाया था, क्या पीडीए परिवार यह बर्दाश्त कर सकता है? यह लड़ाई बहुत पुरानी है ये हमें जाति वादी कहते हैं और ये खुद ही जातिवादी है।

जाने वाली है सीएम योगी की कुर्सी

अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव के बाद ये (योगी आदित्यनाथ) हटने वाले हैं। गुस्सा वो कहीं और दिखाना चाहते हैं. दिल्ली वालों ने तय कर लिया है कि महाराष्ट्र के चुनाव के बाद इनकी कुर्सी छिन जाएगी। दिल्ली गए थे कि अपना कुछ बनवा लें लेकिन, अभी कार्यवाहक ही चल रहा है वर्दी वालों का सबसे बड़ा अधिकारी अभी कार्यवाहक है दिल्ली वाले इनकी कुर्सी छीनने का मौका देख रहे है। महाराष्ट्र में भाजपा के हारते ही इनकी कुर्सी छीन जाएगी।

विधायक की अगुवाई में अयोध्या की पदयात्रा

सपा विधायक की अगुवाई में हजारों श्रद्धालु पैदल 108 किलोमीटर दूर अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए। इस बीच रणंजय इंटर कॉलेज मैदान सहित पूरा कस्बा भगवामय नजर आया। पदयात्रा में घोड़े व हाथी भी शामिल रहे। ढोल नगाड़े के बीच जमकर आतिशबाजी की गई। गाजे-बाजे के साथ शहर जय श्रीराम के जयकारों से गूंजता रहा। लोगों ने जगह-जगह राम भक्तों पर पुष्प वर्षा की। पदयात्री 14 नवंबर को प्रभु श्रीराम के दर्शन कर वापस लौटेंगे। विधायक राकेश प्रताप सिंह सोमवार को बड़ी संख्या में रामभक्तों संग अयोध्या प्रभु श्रीराम के दर्शन को पैदल रवाना हुए। पदयात्रा से पहले रणंजय इंटर कॉलेज में आयोजित सभा में उत्तराखंड पीठाधीश्वर कृष्णाचार्य महाराज, सगरा आश्रम पीठाधीश्वर मौनी स्वामी, राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष राम प्रसाद मिश्र, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि व क्षेत्रीय लोग शामिल हुए।

आजम खान के परिवार से मिले सपा प्रमुख

अखिलेश यादव पहले कुंदरकी चुनाव प्रचार में गए। फिर रामपुर आकर वे आज़म खान की पत्नी तंजीन फ़ातमा से मिले। इस मुलाक़ात के बाद घर के अंदर के कुछ वीडियो आए हैं, इसमें एकता कौशिक भी नज़र आ रही है, वही एकता जिन्हें आज़म खान की मुंहबोली बेटी के नाम से जाना जाता है, अखिलेश यादव ने उनका हाल चाल भी लिया, आज़म खान को एकता अपना पिता मानती है अभी जब आज़म और उनके बेटे अब्दुल्ला जेल में हैं, एकता ही जौहर यूनिवर्सिटी और अली जौहर ट्रस्ट का काम काज देखती है।

यूपीपीएससी वालों पर लाठी चलाई जा रही

भाजपा वाले पिछड़ों, दलितों, आदिवासी, अल्पसंख्यको और माता बहनों से नफरत करते है, ये सरकार लाठी चला रही है लेकिन, लाठी चलाने वालों याद रख लो जैसी सेवा आप कर रहे हो वैसी सेवा आप को मिलेगी। यूपीपीएससी वालों पर लाठी चलाई जा रही है।

सीएम योगी सपा और पीडीए से डरे हुए हैं इसलिए दे रहे बेतुके बयान : अवधेश प्रसाद

अयोध्या से सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने योगी सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ सपा और पीडीए से काफी डरे हुए हैं। उन्हें यह नहीं सूझ रहा कि वह सपा पर क्या बयान दें? कहा कि सच्चाई यह है कि बाबा साहब अंबेडकर के संविधान में मौलिक अधिकार दिए गए हैं। भाजपा संविधान के प्रावधानों को खत्म करने की मंशा रखती है। उसकी वह मंशा सफल नहीं होगी। शायद इसीलिए सीएम बेतुकी बयानबाजी कर रहे हैं। प्रदेश में सिर्फ सपा और पीडीए ही है, जो जनता के मुद्दों के साथ प्रदेश और देश के विकास के बारे में सोचती है। उनके पास इस बारे में सोचने की नीयत नहीं है। कहा कि मैं उनसे आग्रह करता हूं कि वह एक मुख्यमंत्री और एक साधु के आचरण का पालन करते हुए बयान दें।

कोई बदल नहीं सकता संविधान : गडकरी

» बोले- भाजपा ने नहीं, कांग्रेस ने किया संविधान बदलने का पाप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। विधानसभा चुनावों को लेकर महाराष्ट्र का सियासी पारा काफी हाई है। राजनीतिक दलों और उसके नेताओं द्वारा एक-दूसरे पर सियासी हमले काफी तेज हो गए हैं। इस दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए संविधान से छेड़छाड़ की। भाजपा उम्मीदवार चरणसिंह ठाकुर के लिए प्रचार करते हुए गडकरी ने एक रैली को संबोधित किया। इस रैली में गडकरी ने कहा कि भाजपा ने कभी भी बीआर आंबेडकर के संविधान को बदलने की कोशिश नहीं की और न ही किसी को ऐसा करने की अनुमति दी।

कांग्रेस के बार-बार यह दावा करने पर कि भाजपा संविधान को बदल देगी। गडकरी ने कहा कि हमने न तो बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान को बदलने की कोशिश की और न ही किसी को ऐसा करने की अनुमति दी। उन्होंने अपनी बात के समर्थन में ऐतिहासिक केशवानंद भारती मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी हवाला दिया।

झूठे आरोप लगा रही है कांग्रेस

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि संविधान की प्रमुख विशेषताएं जैसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतंत्र, समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और मौलिक अधिकार को कोई भी नहीं बदल सकता। आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी ने संविधान को बिगाड़ने की कोशिश की। देश के इतिहास में यह कांग्रेस ही थी जिसने संविधान को नष्ट करने का पाप किया और अब वे हम पर आरोप लगा रहे हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रशंसा करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि सम्राट ने लोगों को भगवान राम के राम राज्य के समान शिव शाही दी, जिसके बारे में महात्मा गांधी हमेशा कहते थे कि इसे देश में स्थापित किया जाना चाहिए।

राम राज्य स्थापित करना लोगों के हाथ में

गडकरी ने कहा कि अगर आप राम राज्य स्थापित करना चाहते हैं तो यह नेताओं के हाथ में नहीं बल्कि लोगों के हाथ में है। जाति, धर्म और भाषा के आधार पर वोट न दें। लोग जाति के आधार पर बड़े नहीं होते, वह अपने गुणों से बड़ा होता है। छुआछूत और जातिवाद को नष्ट कर देना चाहिए। गडकरी ने आगे कहा कि जो नेता योग्यता के आधार पर नहीं जीत सकते, वे चुनावी लाभ के लिए जाति का इस्तेमाल करते हैं। आप भोजन और स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छे व्यक्ति के पास जाते हैं, उनकी जाति नहीं देखते। जब तक आप ईमानदार, भ्रष्टाचार मुक्त नेता और पार्टी नहीं चुनेंगे, तब तक आपका भविष्य नहीं बदलेगा। उन्होंने बताया कि महायुति सरकार लोगों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लेकर आई है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने किया जम्मू का दौरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू में निर्माणाधीन विधान सभा भवन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भवन के निर्माण कार्यों का जायजा लिया और निर्माण संबंधी विभिन्न पहलुओं पर अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्थल पर मौजूद इंजीनियरों और निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारियों से भवन की प्रगति और निर्धारित समयसीमा के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने काम की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों पर भी ध्यान केंद्रित किया। मुख्यमंत्री ने इस बात का उल्लेख किया कि जम्मू में विधान सभा भवन का निर्माण राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण है और इस भवन के पूरा होने के बाद यह राज्य की प्रशासनिक कार्यप्रणाली को और मजबूत करेगा। इसके अलावा उन्होंने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि परियोजना समय पर पूरी हो और सभी जरूरी मानकों का पालन किया जाए। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को अपनी सड़क यात्रा की कुछ झलकियां साझा की, जब उन्होंने श्रीनगर से जम्मू अपने कार्यालय जाने के लिए सड़क मार्ग का विकल्प चुना। यह कदम हवाई अड्डे पर दृश्यता खराब होने के कारण उठाया गया जिससे उनकी उड़ान रद्द हो गई थी।

कानून-व्यवस्था राज्य का नहीं बल्कि केंद्र का विषय : राथर

» सीएम उमर अब्दुल्ला के निर्देशों पर विस अध्यक्ष की प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू और कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने कहा कि कानून और व्यवस्था राज्य का विषय नहीं है, बल्कि यह एक केंद्रीय विषय है। कानून-व्यवस्था और पुलिस दोनों केंद्र सरकार के अंतर्गत आते हैं।

राथर ने यह बयान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के निर्देशों का जिक्र करते हुए दिया जिन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर राज्य के अधिकारियों को सतर्क रहने का आदेश दिया है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा हमारे मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था की मशीनरी को सतर्क रहने और ऐसे घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया है। कश्मीर घाटी में हाल ही में हुई कुछ घटनाओं को लेकर सुरक्षा स्थिति पर चिंता जताते हुए राथर ने कहा कि सरकार को सभी सुरक्षा उपायों को और कड़ा करना होगा ताकि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और ऐसे घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए काम करेगी ताकि जम्मू और कश्मीर में शांति और सुरक्षा बनी रहे।

और चटक होने लगा महाराष्ट्र में चुनावी रंग

महायुति व महाविकास अघाड़ी में वार-पलटवार

- विपक्ष के मुद्दों के आगे भाजपा का धर्म कार्ड
- बीजेपी नेताओं के बयान पर कई नेता नाराज
- गठबंधन में ही भाजपा पर जोरदार हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में चुनावों रंग और चटक होते जा रहे हैं। महायुहति व महा विकास अघाड़ी गठबंधनों ने आपे-अपने घोषणा पत्र जारी कर दिए हैं। इन गठबंधनों की पार्टियों जैसे भाजपा व शिवसेना यूबीटी ने भी अलग से अपने संकल्प पत्र या वचननामा जारी किए। दोनों गुटों ने जनता के लिए लोकलुभावन वादे किए हैं जो वह सत्ता में आने पर पूरे करेंगे। उधर चुनावी प्रचार भी तेज हो गए है।

जहां महायूति धर्म का कार्ड खेल रही है तो महाविकास अघाड़ी उस पर लोगों के बीच नफरत बांटने का आरोप लगा रही है। इन सबके बीच चुनावों के कई सर्वे भी आने लगे हैं जिसमें दोनों गठबंधनों के बीच कड़ा मुकाबला दिखाया जा रहा है। खैर ये तो चुनावों के नतीजे ही बताएंग कि पलड़ा किसका भारी पड़ता हैं। फिलहालएक दूसरे पर हमला जारी है। महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के एक हैं तो सेफ हैं और बटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर चुनावी मौसम में सियासत तेज है। भाजपा की सहयोगी अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने इन नारों की आलोचना की है। महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को मतदान होना है और इसके नतीजे 23 नवंबर को सबके सामने होंगे।

जो लोग धर्म के खतरे में होने का दावा करते हैं, असल में उनकी पार्टी ही खतरे में है : रितेश देशमुख

बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख ने अपने भाई धीरज देशमुख के पक्ष में चुनाव प्रचार करते हुए कहा कि लोग दावा करते हैं कि धर्म खतरे में हैं, लेकिन हकीकत मेंउनकी पार्टी ही खतरे में है और वे उसे बचाने के लिए धर्म की दुहाई दे रहे हैं। रितेश लातूर में धीरज के लिए प्रचार कर रहे थे। धीरज महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में लातूर (ग्रामीण) सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के रमेश कराड के खिलाफ मैदान में हैं। रितेश ने एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा 'भगवान कृष्ण ने कहा था कि कर्म ही धर्म है। जो व्यक्ति ईमानदारी से काम करता है, वह अपना धर्म निभा रहा होता है। जो ईमानदारी से काम नहीं करता है, उसे धर्म की आड़ की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, जो लोग कहते हैं कि उनका धर्म खतरे में है, दरअसल उनकी पार्टी ही खतरे में है और वे अपनी पार्टी और खुद को बचाने के लिए अपने धर्म की दुहाई दे रहे हैं। उनसे कहिए कि हम अपना धर्म संभाल लेंगे, आप पहले विकास की बात कीजिए। अभिनेता ने कहा कि राज्य के शिक्षित युवाओं के पास नौकरी नहीं है और उन्हें रोजगार उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी उपज की अच्छी कीमत नहीं मिल रही है। रितेश ने धीरज के 2019 का विधानसभा चुनाव 1.21 लाख वोटों के अंतर से जीतने का जिक्र करते हुए लोगों से इतने बड़े पैमाने पर मतदान करने की अपील की कि विपक्षी प्रत्याशी की जमानत जब्त हो जाए। रितेश ने युवाओं से अपने वोट के महत्व को पहचानने का आग्रह किया। उन्होंने महाराष्ट्र की पहचान और प्रत्येक नागरिक के सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा करने की आवश्यकता पर बल दिया।

> "भगवान कृष्ण ने कहा था कि कर्म ही धर्म है। जो व्यक्ति ईमानदारी से काम करता है, वह अपना धर्म निभा रहा होता है। जो ईमानदारी से काम नहीं करता है, उसे धर्म की आड़ की जरूरत होती है।"

सर्वे के नतीजे बता रहे कड़ी टक्कर

लेकिन इससे पहले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर सर्वे सामने आया है, जिसमें राज्य में महायुति या महाविकास अघाड़ी में से किसकी सरकार बनने जा रही है? इसका खुलासा हुआ है। इसमें दोनों गठबंधनों में टक्कर बताई जा रही है। हालांकि कइ इलाकों में महायुति पर महाविकास अघाड़ी बढ़त ले रही है। एक सर्वे के मुताबकि महाराष्ट्र में बीजेपी, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी वाले गठबंधन महायुति के राज्य में सरकार बनाने का अनुमान है। जबकि, कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) को झटका लगने जा रहा है। सर्वे के अनुसार महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों में से महायुति गठबंधन को 145-165 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि विपक्षी एमवीए को 106-126 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। वोट शेयर के मामले में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के विपक्ष पर भारी पड़ने की संभावना है। बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन को 47 प्रतिशत वोट शेयर मिलने की संभावना है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को 41 फीसदी वोट शेयर मिलने की उम्मीद है। सर्वे में अन्य को 12 प्रतिशत तक वोट शेयर मिलने के कयास लगाए गए हैं। बीजेपी को पश्चिमी महाराष्ट्र, विदर्भ और ठाणे-कोंकण क्षेत्रों में भारी जनसमर्थन मिलता दिख रहा है, जहां उसे क्रमश: 48 प्रतिशत और 52 प्रतिशत वोट शेयर मिलने की संभावना है। वहीं, कांग्रेस के नेतृत्व वाली एमवीए को उत्तर महाराष्ट्र और मराठवाड़ा जैसे क्षेत्रों में 47 प्रतिशत और 44 प्रतिशतवोट शेयर मिलने की संभावना है। सर्वे 10 अक्टूबर से 9 नवंबर के बीच में किया गया है। सैंपल साइज की बात करें तो सर्वे में राज्य के 1,09,628 लोगों की राय ली गई है। इसमें 57 हजार से अधिक पुरुष, 28 हजार महिलाएं और 24 हजार युवाओं की राय शामिल है।

धर्म पर आधारित राजनीति लंबे समय तक नहीं चलती : नवाब मलिक

नवाब मलिक ने कहा कि इसलिए धर्म पर आधारित राजनीति लंबे समय तक नहीं चलती। हमें पूरा विश्वास है कि रोजी-रोटी, कपड़ा और मकान की समस्या पर राजनीति होनी चाहिए। एनसीपी नेता और मानखुर्द शिवाजी नगर से उम्मीदवार नवाब मलिक ने कहा कि बटेंगे तो कटेंगे जैसे बयान घृणित हैं। इससे कोई लाभ नहीं हो सकता। इस तरह की राजनीति से उत्तर प्रदेश में बहुत नुकसान हुआ है। मंदिर निर्माण के बाद भी बीजेपी उत्तर प्रदेश में बुरी तरह हार गई। नवाब मलिक ने आगे कहा कि इसलिए धर्म पर आधारित राजनीति लंबे समय तक नहीं चलती। हमें पूरा विश्वास है कि रोजी-रोटी, कपड़ा और मकान की समस्या पर राजनीति होनी चाहिए। जनता के विकास की बात होनी चाहिए। हम चाहते हैं कि कोई देश को हिंदू-मुस्लिम के नाम पर न बांटे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में जिस तरह से चुनाव हो रहे हैं, उसमें काफी करीबी मुकाबला है। नतीजों के बाद क्या होगा इसका अंदाजा कोई नहीं लगा सकता। 2019 में किसी ने नहीं सोचा था कि ऐसी सरकार बन सकती है और राजनीति में कोई किसी का सबसे अच्छा दोस्त या दुश्मन नहीं होता, नतीजों के बाद दोस्त और दुश्मन के बीच परिस्थितियां बदलती रहती हैं लेकिन यह सच है कि अजित पवार किंगमेकर होंगे। उन्होंने कहा कि मैं अपने नाम, अपने काम और अपने विचारों पर वोट मांग रहा हूं। मैं अजित पवार के साथ हूं। ये एक राजनीतिक समायोजन है। किसी की राय मानना अलग बात है। अजित पवार ने साफ किया है कि हमारा राजनीतिक समायोजन है। हम अपनी राय पर कायम हैं और नतीजों के बाद अजित पवार जी चंद्रबाबू नायडू बन सकते हैं। वह किंगमेकर होंगे। इससे पहले अजित पवार ने कहा कि राज्य के लोग ऐसी टिप्पणियों की सराहना नहीं करते हैं। इस कदम को महायुति की प्रमुख सहयोगी राकांपा द्वारा चुनाव अभियान में अपने नेताओं द्वारा इस्तेमाल किए गए नारे को लेकर भाजपा से दूरी बनाने के तौर पर देखा जा रहा है।

जनता के विकास की बात होनी चाहिए। हम चाहते हैं कि कोई देश को हिंदू-मुस्लिम के नाम पर न बांटे

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

क्षेत्रीय आधार पर बने वायुमंडल की नीतियां!

बता दें कि जलवायु परिवर्तन को लेकर आज सबसे बड़ी चिंता पानी और वायु प्रदूषण से जुड़ी है। ये दोनों ही जीवन के आवश्यक तत्व हैं और इनके बिगडने का अर्थ है पृथ्वी पर जीवन के लिए एक नए संकट की शुरुआत। जलवायु परिवर्तन का मुद्दा नया नहीं है। पृथ्वी के 4.6 अरब वर्ष के इतिहास में ऐसी कई घटनाएं हुई, जिनके कारण जलवायु में बदलाव हुआ।

इस समय देश में पराली जलाने को लेकर रार मची है। दरअसल पराली के जलने से उत्तर भारत में जाड़े के मौसम में प्रदूषण में इजाफा हो जाता है। इसको लेकर कई राज्यों के बीच सियासी रार भी मची रहती है। पराली को जलाने पर केंद्र सरकार द्वारा जुर्माना भी दुगना कर दिया गया है। वायुमंडल में परिवर्तन को लेकर बांकू में कई देशों की बैठक होने जा रही है। भारत भी उसमें भाग लेगा। हालांकि बहुत से पर्यावरणविद कह रहे हैं हर देश को अपने देश की परिस्थिती के आधार पर ही प्रदूषण या वायुमंडल से संबंधित नीति बनाना चाहिए। बता दें कि जलवायु परिवर्तन को लेकर आज सबसे बड़ी चिंता पानी और वायु प्रदूषण से जुड़ी है। ये दोनों ही जीवन के आवश्यक तत्व हैं और इनके बिगडने का अर्थ है पृथ्वी पर जीवन के लिए एक नए संकट की शुरुआत। जलवायु परिवर्तन का मुद्दा नया नहीं है। पृथ्वी के 4.6 अरब वर्ष के इतिहास में ऐसी कई घटनाएं हुई, जिनके कारण जलवायु में बदलाव हुआ। तब इन घटनाओं में प्रमुख कारण ज्वालामुखी विस्फोट और बड़े उल्का पिंडों का पृथ्वी से टकराना रहा है। इनसे कई बार पृथ्वी पर बर्फ युग का आगमन हुआ, जिससे जीवन पर गहरा प्रतिकूल असर पड़ा।

पहले जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक प्रक्रियाओं के कारण होता था, पर आज इसका प्रमुख कारण मानव गतिविधियां हैं। मतलब अब एक बार फिर अंत के इतिहास की शुरुआत हो चुकी। मानव द्वारा किए गए नुकसान ने पृथ्वी पर कई प्रजातियों को विलुप्त कर दिया है। आज बड़े जल स्रोत संकट में हैं। विशेषकर, ग्लेशियर, जो पृथ्वी के सबसे बड़े पानी के भंडार हैं, खतरे में हैं। हाल ही केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट ने ध्यान दिलाया है कि दुनिया भर में ग्लेशियर क्षेत्र की, विशेषकर भारत के पांच राज्यों में, झीलों के आकार में वृद्धि देखी जा रही है। इस वृद्धि का मुख्य कारण ग्लेशियरों का पिघलना है, जिससे झीलें बन रही हैं। अध्ययन में यह पाया गया है कि 2011 से 2024 के बीच इन झीलों का क्षेत्रफल 40 प्रतिशत तक बढ़ गया है। भारत के लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्य, जहां अधिकतर हिमालयी क्षेत्र हैं, इन बदलावों से सबसे अधिक प्रभावित हैं। ये झीलें भविष्य में 'ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड' जैसी आपदाओं का कारण बन सकती हैं। केदारनाथ त्रासदी और गत वर्ष सिक्किम की घटना इसी तरह के उदाहरण हैं, जहां ऊंचाई पर स्थित झीलों के फटने से बाढ़ ने तबाही मचाई थी। ये परिवर्तन सिर्फ भारत तक सीमित नहीं हैं। भूटान, नेपाल और चीन जैसे देश भी इस संकट से अछूते नहीं हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण और तापमान बढ़ने से ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जिससे नदियों, झीलों और अन्य जल स्रोतों के लिए खतरा पैदा हो रहा है। कुल मिला कर पूरे विश्व के नेताओं को क्षेत्र के हिससब से ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए ताकि ग्रीन हाउस गैसे का प्रभाव पूरी दुनिया में न हों।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

उल्लास के साथ पर्यावरणीय जवाबदेही भी

सुरेश सेठ

पांच दिन की दिवाली पर्व शृंखला उत्साह सहित भैया दूज के साथ संपन्न हो गयी। भारत एक ऐसा देश है, जहां संस्कृति और लोक उत्सवों के प्रति गहरी श्रद्धा है, और ये उत्सव समाज को उमंग और खुशी से भर देते हैं। लेकिन अब जबकि उत्सव संपन्न हो चुके हैं, केवल उसकी परछाइयां बची हैं–घुटन भरा धुआं, खांसते हुए लोग और स्वास्थ्य पर असर डालते प्रदूषण के कारण बीमार होते बच्चे–बुजुर्ग। यह चित्र उत्सवों के बाद की कड़वी हकीकत को उजागर करता है, जब खुशियां भी स्वास्थ्य और पर्यावरण पर भारी पड़ने लगती हैं। हाल ही में एक अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षण में यह बात सामने आई कि पर्यावरण प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और कूड़े के निस्तारण में निरंतर असफलता के कारण देश की जलवायु पर गंभीर असर पड़ा है। इसके परिणामस्वरूप भारतीयों की औसत आयु में वृद्धि नहीं हो पा रही है, और नई पीढ़ी के बच्चे छोटे कद के पैदा हो रहे हैं। यह जलवायु संकट का सीधा प्रभाव है, जो स्वास्थ्य और विकास को प्रभावित कर रहा है।

मौसमी बीमारियां अब महामारियों के रूप में उभरने लगी हैं। कभी मलेरिया था, जो अब बढ़कर डेंगू बन गया है। कोविड महामारी ने देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर कर दिया था, और जैसे ही उसका दबाव कुछ कम हुआ, मंकीपॉक्स और बिगड़ा हुआ टायफायड नई समस्याएं बनकर उभरे हैं। इन बीमारियों ने देश की स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है, जिससे समाज का स्वास्थ्य और जीवनशैली प्रभावित हो रही है। इस बीच, दिवाली के लिए बड़े-बड़े वादे किए गए थे कि इस बार पटाखा रहित, धुआं रहित दिवाली मनाई जाएगी, और लोग शांतिपूर्वक, कानूनी सीमाओं में रहते हुए खुशियां मनाएंगे। लेकिन असलियत यह है कि उत्सवों में शोर-शराबा और प्रदूषण पर नियंत्रण पाना अभी भी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। दिल्ली और उत्तर भारत के कई शहरों में घुटन का सामना हो रहा था, जिसकी मुख्य वजह पंजाब में पराली जलाना था। सरकारों ने कड़े कदम उठाने का वादा किया था, लेकिन उत्सव के दौरान कानूनी ढील के कारण पराली जलाने की घटनाएं बढ़कर 4 हजार से अधिक हो गईं।

दिवाली के बाद इन घटनाओं में 216 नई घटनाएं जुड़ गईं, और संगरूर जैसे खुले इलाके में 59 घटनाएं दर्ज की गईं। प्रदूषण के अन्य कारण भी स्पष्ट हो गए, जैसे बिगड़ी हुई गाड़ियां, उनके जहरीले धुएं, अधबनी सड़कों से उड़ती धूल और

बढ़ते कूड़े के ढेर। सफाई कर्मचारी हड़ताल पर थे, और कूड़ा निस्तारण के लिए जरूरी मशीनें या तो मौजूद नहीं थीं, या उनके चलाने वाले प्रशिक्षकों की कमी थी। इस प्रकार, उत्सवों के बाद की नई जिंदगी की उम्मीदें जल्दी ही विफल होती दिखाई दीं, और यह स्थिति निराशा का कारण बन गई। यह बेतुकी आहें अवैध पटाखों के व्यापार से उत्पन्न हो रही थीं, जो स्पष्ट निर्देशों के बावजूद जारी रहे। लाइसेंसधारी व्यापारियों के लिए निर्धारित नियमों के बावजूद गली-गली और बाजारों में छिपाकर पटाखों का संग्रह कई दिनों तक चलता रहा, जिससे प्रदूषण और मौसम की विषाक्तता बढ़ती गई। दिवाली तो मनाई जा चुकी है, लेकिन उसके प्रभावों ने समाज के माहौल और देश की आर्थिक स्थिति पर गहरी खरोंचें छोड़ दी हैं। इस दिवाली से उम्मीद थी कि बाजारों में मंदी का असर खत्म हो जाएगा और त्योहारों के उत्साह में खरीदारी से कम मांग का विरोधाभास नहीं दिखाई देगा। सचमुच, दिवाली और उसके बाद के सप्ताह में मांग बढ़ी, लेकिन यह बढ़ोतरी प्रीमियम वस्तुओं में हुई। महंगी कारों और स्वचालित विद्युत उपकरणों की मांग बढ़ी, जबकि संपत्ति के कारोबारियों ने बड़े फ्लैट्स की बढ़ती मांग को देखते हुए छोटे फ्लैट्स के निर्माण की योजनाएं स्थगित कर दीं। आंकड़े बताते हैं कि उभरते मध्यम वर्ग ने ईएमआई के सहारे नव धनकुबेरों जैसा रूप धारण कर लिया है, और उन्होंने महंगी, आयातित गाड़ियों, बड़े फ्लैट्स, और स्वचालित विद्युत उपकरणों की ओर रुझान बढ़ाया। हालांकि, यह वृद्धि साधारण वस्तुओं में नहीं, बल्कि प्रीमियम वस्तुओं में देखी गई है। वहीं, जनसाधारण के लिए आवश्यक वस्तुओं जैसे आटा, खाद्य तेल, और फल-सब्जियां महंगी हो गई हैं, जिससे गरीबों के लिए दिवाली का आनंद केवल प्रदूषण और महंगाई में तब्दील हो गया है। सस्ते चीनी पटाखों की बिक्री जारी रही।

इन सबके बावजूद, त्योहारों की भीड़-भाड़ और उत्सवों में बढ़ी हुई मांग के बावजूद जनसाधारण के लिए आवश्यक वस्तुओं की कोई स्पष्ट मांग नहीं देखी गई। उत्सवों का यह सत्र तो जारी रहेगा, लेकिन सवाल यह है कि देश कब खुशहाली और राहत से भरे जीवन का स्वागत करेगा? उत्सवों को मनाने में कोई दोष नहीं माना जाना चाहिये, लेकिन हमें ऐसी संस्कृति की आवश्यकता है जो दिवाली के बाद हवा में घुलते जहरीले तत्वों और बढ़ते प्रदूषण से राहत दिला सके। असली उत्सव तब होगा जब हम सुखी, समृद्ध और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार जीवन जीते हुए, देश को खुशहाली के सूचकांक में तरक्की करते हुए देखें।

मोदी और ट्रंप से प्यार और खार के द्वंद

ज्योति मल्होत्रा

व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी से अमेरिका में इन दिनों ठीक वैसी भावनाओं की तीव्रता उमड़ रही है जैसी पिछले एक दशक में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से भारत में अनुभव हुई है। वहां की तथाकथित 'उदारवादी प्रेस' ने ट्रंप के जीतने पर एक अंधकारमय, प्रलंयकारी परिदृश्य को चित्रित करने के लिए अपनी हदें पार कर दीं, जबकि ट्रंप समर्थक तथाकथित 'रूढ़िवादी मीडिया' – जिसकी अगुवाई एलन मस्क का सोशल मीडिया मंच एक्स कर रहा था–उसने अमीरों के कुलीन पहनावे वाले व्यक्ति (ट्रंप) की छवि चमकता बख्तरबंद पहने एक योद्धा के रूप में पेश की, जो बचाने आया है। यह हैरानी भरा भाव है कि जिस प्रकार का भावनात्मक मिश्रण मोदी के प्रति भारत में दिखता है, उससे मिलता-जुलता ट्रंप के लिए भी दिखा। मोदी द्वारा 2014, 2019 और 2024 में पाई सफलता में चुनावी उल्लास बनाम उदासी भरा आक्रोश, तीनों बार एक पहचान रही।

निश्चित रूप से, यह स्पष्ट है कि भारत में भी, अमेरिका की तर्ज पर ध्रुवीकरण करने वाले व्यक्तित्व –मोदी और ट्रंप – के वजन के तले खुशहाल मध्य वर्ग का हिस्सा काफी हद तक गायब हो गया है। बड़ा सवाल यह है कि क्योंकर मीडिया और चुनाव-पंडितों, दोनों के अनुमान लगातार गलत निकल रहे हैं। क्या हमें मोदी और ट्रंप को खारिज करना इतना भाता है कि हम वास्तव में यह देखने और सुनने से इनकार कर रहे हैं कि जिन लोगों के विचारों, इच्छाओं और चिंताओं को हम व्यक्त करने का दावा करते हैं, वे वास्तव में क्या कहते हैं? अमेरिका की तरह–जहां चुनाव-पंडितों ने दौड़ को बराबरी पर ला दिया था, और द न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे प्रतिष्ठित अखबारों ने तो फ्लोरिडा में ट्रंप द्वारा विजय-भाषण देने के बहुत बाद तक यह मानने से इनकार किए रखा कि वे जीत गए हैं – भारत में भी, हममें से कइयों ने अपने दिल को अपने दिमाग पर हावी होने दिया, संयोगवश दोनों दिशाओं में। साल 2014 और 2019 में, हम यह यकीन नहीं कर पा रहे थे कि भारतीय अपने दोनों हाथों से मोदी को वोट दे रहे हैं, साल 2022 में, हमने यह मानने से इनकार कर दिया कि योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में जीत हासिल की है – हमने कहा, क्या कोविड-19 के दौरान हुई हजारों मौतें इस बात का सुबूत नहीं हैं कि ईश्वर स्वयं उनके खिलाफ हो गए हैं? साल 2024 में, हमें उतनी ही हैरानी हुई जब उसी उत्तर प्रदेश ने खुद को पूरी तरह से भाजपा को सौंपने से इनकार कर दिया।

इन तमाम मामलों में, हमने खुद को मुगालतों में इतनी गहराई तक डुबो दिया कि जमीनी हकीकत पर ध्यान देने से आंखें मूंद लीं। इससे भी बदतर, एक बार जब ये जनादेश हमारे सामने थे, तब भी हममें से कई लोगों ने उन्हें सीधे तौर पर स्वीकार करने से इनकार कर दिया। हमने जोर देकर कहा कि मोदी और ट्रम्प के साथ कुछ तो गड़बड़ है – जो सच हो भी सकता है और नहीं भी। बदतर यह कि, हम राहुल गांधी या कमला हैरिस में से किसी पर भी वही सख्त पैमाना लागू करने से बचे।

तो आइए, आज तथ्यों का सामना करें। तथ्य यह है कि हैरिस इसलिए हारी क्योंकि उसने किसी भी मुद्दे पर डटने की कोशिश नहीं की– भले ही ट्रम्प का कई मामलों में नाम है, ? उनकी छवि यौन उच्छृंखलता के आरोपों वाली है या इससे भी अधिक बुराइयां होने की है, लेकिन कम से कम उन्होंने इमिग्रेशन बंद करके (जो भारत के लिए बुरी खबर है) अमेरिका में रोजगार की उपलब्धता बढ़ाने का वादा किया। जहां तक राहुल का सवाल है, तथ्य यह है कि मेरे जैसे लोग डिनर के दौरान सियासत पर चर्चा में बेशक उनके कई विचारों से दिल से सहमत होंगे, लेकिन संकोचपूर्वक यह भी स्वीकार करेंगे कि ऐसा कौन सा मुद्दा है, जिसके लिए वे लड़ मरने को तैयार हों। अमेरिका और भारत जैसे प्रदूषित लोकतंत्र में बल्कि ट्रम्प और मोदी जैसी शिख्सयतों को चुनना पसंद करेंगे क्योंकि वे इसकी गिरावट या रूपांतरण से समाज को मिली अराजकता का सरलीकरण करने में सक्षम हैं। जिन लोगों को हम चुनते हैं उनके जीवन के स्याह पक्षों को अनदेखा कर देते हैं–चाहे यह 6 जनवरी, 2021 को अमेरिका के सत्ता केंद्र यानि व्हाईट हाउस पर ट्रंप समर्थकों का हमला हो या फिर 2002 में गुजरात में घटा दु:स्वप्न हो–क्योंकि हम उनके वर्तमान आश्वासनों में यह सुकून ढूंढ़ते हैं कि वे हमारे मौजूदा कठिन जीवन को बेहतर बनाएंगे। वे हमें सहज ढंग से यह पेश करते हैं।

मतदाताओं ने ट्रंप को वोट देने की एक वजह यह बताई– यहां तक कि डेमोक्रेट पार्टी के रिवायती समर्थक दक्षिणी अमेरिकी राज्य जॉर्जिया के अश्वेत लोगों की बहुलता वाले जिले भी लगभग पूरी तरह से उनके पक्ष में चले गए, इसके अलावा उनके लेटिन वोट में 14 प्रतिशत का इजाफा हुआ – क्योंकि उनका मानना था कि डेमोक्रेट्स अपने मतदाताओं को हल्के में लेने लगे हैं। यह कुछ सुना-सुना सा लगता है न? निश्चित रूप से यह राहुल की कांग्रेस की तरह है, खासकर वे जो शिकायत कर रहे हैं कि हरियाणा में ईवीएम में धांधली थी। मतदाताओं ने हैरिस के खिलाफ रुख दिखाया, ठीक उसी तरह जैसे उन्होंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा के मामले में किया, जब उन्होंने अपनी पार्टी के कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला और बीरेंद्र सिंह जैसे नाराज नेताओं को साथ लेकर चलने से इनकार कर दिया। हरियाणा के हर निर्वाचन क्षेत्र के अपने माइक्रो-मैनेजमेंट से गैर-जाट वोटों पर ध्यान केंद्रित करने वाली भाजपा की तरह, डाटा दिखाता है कि ट्रंप ने पिछले 40 वर्षों में किसी भी अन्य रिपब्लिकन उम्मीदवार की तुलना में अधिक गैर-श्वेत वोट जीते हैं।

जैविक घड़ी का है जीवन में विशेष महत्व

हमारे शरीर की कार्यप्रणाली एक जटिल और अद्भुत तंत्र है, जो समय-समय पर विभिन्न शारीरिक और मानसिक कार्यों को संचालित करता है। शरीर की इस समग्र और स्वचालित प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है हमारी जैविक घड़ी जिसे सर्केडियन रिदम भी कहा जाता है। यह घड़ी हमारे शरीर की विभिन्न प्रक्रियाओं को 24 घंटे के दिन-रात के चक्र के अनुरूप नियंत्रित करती है, जैसे नींद, जागने की आदत, हार्मोनल उतार-चढ़ाव, शरीर का तापमान और भूख। यदि हम अपने शरीर की जैविक घड़ी के साथ तालमेल नहीं बैठाते हैं, तो इसके परिणामस्वरूप मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। शरीर की जैविक घड़ी एक आंतरिक प्रणाली है, जो हमारे शरीर के सभी महत्वपूर्ण कार्यों को सही समय पर नियंत्रित करती है। इसे सर्केडियन रिदम कहते हैं, जो दिन और रात के बदलावों के अनुसार अनुकूलित होता है। यह घड़ी न केवल नींद-जागने के चक्र को नियंत्रित करती है, बल्कि इसका असर हमारी हार्मोनल गतिविधियों, शारीरिक तापमान, भूख और ऊर्जा स्तर पर भी पड़ता है।

हमारे दैनिक कार्यों को करती है कंट्रोल

डिप्रेशन से है बचाती

नींद की कमी और जैविक घड़ी के असंतुलन से अवसाद का खतरा बढ़ जाता है, क्योंकि यह मस्तिष्क के उन हिस्सों को प्रभावित करता है जो मूड और भावनाओं को नियंत्रित करते हैं। इसके अलावा जब शरीर को सही समय पर आराम नहीं मिलता, तो यह अधिक तनावग्रस्त हो जाता है और हमारी सोचने की क्षमता में कमी आती है। कोर्टिसोल जैसे तनाव हार्मोन का असंतुलन मानसिक स्थिति को और बिगाड़ सकता है। यह घड़ी हमें डिप्रेशन से बचाती है।

समय से जगाने में सहायक

जैविक घड़ी हमें यह बताती है कि कब हमें सोने और जागने की जरूरत है। यह शरीर को रात को विश्राम करने और दिन में सक्रिय रहने के लिए तैयार करती है। इस घड़ी की बदौलत बेहतर नींद प्राप्त करते हैं और मानसिक तनाव से बचते हैं। इसके विपरीत, यदि हम इस घड़ी के साथ तालमेल नहीं रखते, तो इससे कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। क्योंकि जब हम अपनी जैविक घड़ी के खिलाफ जाते हैं, तो मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, अगर हम देर रात तक काम करते हैं या असमय सोते हैं, तो हमारे मस्तिष्क को पर्याप्त आराम नहीं मिल पाता। इससे तनाव, चिंता और अवसाद जैसी मानसिक समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। हर दिन एक ही समय पर सोने और जागने की आदत डालें, ताकि शरीर की जैविक घड़ी सही समय पर काम कर सके।

व्यायाम का समय होता है निश्चित

इन समस्याओं से बचने के लिए नियमित व्यायाम करें, लेकिन सोने से ठीक पहले भारी व्यायाम से बचें। व्यायाम से शरीर की ऊर्जा का सही उपयोग होता है और यह जैविक घड़ी के साथ तालमेल बनाए रखने में मदद करता है। वहीं विशेष रूप से शाम के समय कैफीन, चाय, कॉफी आदि से बचें, ताकि नींद पर असर न पड़े। सोने से पहले मोबाइल या अन्य स्क्रीन से दूरी बनाएं और कमरे को अंधेरा और शांत रखें, ताकि अच्छी नींद मिल सके।

कार्यक्षमता बढ़ाने में मदगार

जब हमारी जैविक घड़ी और दिनचर्या के बीच तालमेल होता है, तो हम अधिक ऊर्जावान महसूस करते हैं। शरीर को सही समय पर विश्राम मिलता है और यह दिन भर के कार्यों को बेहतर तरीके से करने के लिए तैयार रहता है। इसके विपरीत, यदि हम अपनी जैविक घड़ी के खिलाफ जाते हैं, तो यह थकान, चिड़चिड़ापन और कार्यक्षमता में गिरावट का कारण बन सकता है। जैविक घड़ी का असंतुलन शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर सकता है, जिससे हम जल्दी बीमार पड़ सकते हैं।

अनियमित जीवनशैली से बचें

आजकल की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में कई लोग नियमित सोने और जागने की आदत नहीं बना पाते। देर रात तक काम करना, अत्यधिक स्क्रीन टाइम और समय पर भोजन न करना जैसी आदतें जैविक घड़ी को प्रभावित करती हैं। जिससे नींद में खलल आता है और शरीर की अन्य प्रक्रियाएं प्रभावित होती हैं। जिससे रक्त शर्करा और भोजन की प्रक्रिया प्रभावित होती है, जिससे मोटापा और मधुमेह जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

भोजन करने का देती है संकेत

जैविक घड़ी हमारे शरीर को यह संकेत देती है कि कब भोजन करना चाहिए और कब शरीर को ऊर्जा की आवश्यकता है। शरीर की जैविक घड़ी के साथ तालमेल न बैठाने से शारीरिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा सर्केडियन रिदम के माध्यम से शरीर में मेलाटोनिन और कोर्टिसोल जैसे हार्मोन नियंत्रित होते हैं। इसके अलावा असमय नींद और व्यस्त जीवनशैली के कारण हृदय पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है, जिससे उच्च रक्तचाप और अन्य हृदय रोगों का खतरा बढ़ सकता है।

-मनीष कुमार मौर्य

हंसना मना है

डॉक्टर के पास गप्पू पहुंचा तो डॉक्टर ने टेस्ट रिपोर्ट देख कहा- आपकी एक किडनी फेल हो गई है, गप्पू रोने लगा, और कुछ देर बाद आंसू पोंछते हुए बोला-ये तो बता दीजिए डॉक्टर साहब कि मेरी किडनी आखिर कितने नंबर से फेल हुई है?

लड़की वाले बेटी के लिए लड़का देखने गए। लड़की वाले- कितना कमा लेते हो? लड़का- इस महीने दो करोड़ कमाया। लड़की वाले- फिर क्या हुआ? लड़का- बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हैंग हो गया और सारी कमाई चली गई।

डाकू - हम घर लूटने आए हैं, लेकिन बंदूक घर पर ही भूल गए हैं, संता- कोई बात नहीं, आप लोग शरीफ आदमी लगते हो, आज घर लूट लो कल आकर बंदूक जरूर दिखा जाना।

बच्चे के पेपर में 0 आया। गुस्से से पिता- यह क्या है? बच्चा- पिताजी, शिक्षक के पास स्टार खत्म हो हो गए थे, इसलिये उसने मून दे दिया।

कहानी — मूर्ख साधू और ठग

एक बार की बात है किसी गांव में एक साधु बाबा रहा करते थे। पूरे गांव में वह अकेले साधु थे, जिन्हें पूरे गांव से कुछ न कुछ दान में मिलता रहता था। दान के लालच में उन्होंने गांव में किसी दूसरे साधू को नहीं रहने दिया और अगर कोई आ जाता था, तो उन्हें किसी भी प्रकार से गांव से भगा देते थे। इस प्रकार उनके पास बहुत सारा धन इकट्ठा हो गया था। वहीं, एक ठग की नजर कई दिनों से साधु बाबा के धन पर थी। वह किसी भी प्रकार से उस धन को हड़पना चाहता था। उसने योजना बनाई और एक विद्यार्थी का रूप बनाकर साधु के पास पहुंच गया। उसने साधु से अपना शिष्य बनाने का आग्रह किया। पहले तो साधु ने मना किया, लेकिन फिर थोड़ी देर बाद मान गए और ठग को अपना शिष्य बना लिया। ठग साधु के साथ ही मंदिर में रहने लगा और साधु की सेवा के साथ-साथ मंदिर की देखभाल भी करने लगा। ठग की सेवा ने साधु को खुश कर दिया, लेकिन फिर भी वह ठग पर पूरी तरह विश्वास नहीं कर पाया। एक दिन साधु को किसी दूसरे गांव से निमंत्रण आया और वह शिष्य के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। साधु ने अपने धन को भी अपनी पोटली में बांध लिया। रास्ते में उन्हें एक नदी मिली। साधु ने सोचा कि क्यों न गांव में प्रवेश करने के पहले नदी में स्नान कर लिया जाए। साधु ने अपने धन को एक कंबल में छुपाकर रख दिया और ठग से उसकी देखभाल करने का बोलकर नदी की ओर चले गए। ठग की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसे जिस मौके की तलाश थी, वो मिल गया। जैसे ही साधु ने नदी में डुबकी लगाई ठग सारा सामान लेकर भाग खड़ा हुआ। जैसे ही साधु वापस आया, उसे न तो शिष्य मिला और न ही अपना सामान। साधु ने ये सब देखकर अपना सिर पकड़ लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा।

वृषभ — धनागम होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। नौकरी में ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति के योग हैं।

मिथुन — व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कार्यस्थल पर प्रतिष्ठा प्राप्त कर पाएँगे।

कर्क — लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। शत्रु से सतर्क रहें। काम के प्रति लापरवाही न करें, किसी बात पर मतभेद की संभावना है। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है।

सिंह — सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी। आर्थिक योजनाओं में धन का निवेश हो सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या — मित्रों की मदद से समस्या का समाधान हो सकेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। थकान रहेगी। रचनात्मक कार्य में मन लगेगा।

तुला — व्यापार में मनोनुकूल लाभ होने के योग हैं। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

वृश्चिक — अनसोचे कार्य होंगे। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है। पारिवारिक समस्याएँ सूझबूझ से निपटाएँ। कार्य में सहयोग मिलेगा। सामाजिक मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु — प्रयास सफल रहेंगे। योजना बनेगी। आशानुरूप स्थिति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यापारिक गोपनीयता भंग न करें। पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा।

मकर — मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नए अनुबंध हो सकते हैं। प्रमाद न करें।

कुम्भ — धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे। अनसोचे कामों में हाथ नहीं डालें। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी।

मीन — व्यापार में लाभ होने के योग हैं। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम न लें। झंझटों में न पड़ें। आय में कमी होगी।

कपिल शर्मा के शो में रोमांचक पुनर्मिलन को तैयार हैं सिद्धू

नवजोत सिंह सिद्धू नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो में कपिल शर्मा के साथ फिर से जुड़ने के लिए तैयार हैं। इस वीकएंड पर मशहूर कॉमेडियन और होस्ट कपिल शर्मा ने अपने लोकप्रिय शो में एक प्रेरक जोड़े, नारायण और सुधा मूर्ति का स्वागत किया, उनके साथ दीपिंदर और जिया गोयल भी थे। इस एपिसोड में हास्य और दिल को छू लेने वाली बातचीत का एक आकर्षक मिश्रण था। इस यादगार एपिसोड की सफलता के बाद कपिल शर्मा अब एक जाने-पहचाने चेहरे द कपिल शर्मा शो के पूर्व जज नवजोत सिंह सिद्धू के साथ एक रोमांचक पुनर्मिलन के लिए तैयार हैं। अगले वीकएंड के लिए निर्धारित आगामी एपिसोड प्रशंसकों के लिए एक पुरानी यादों को ताजा करने वाला होगा, जो शो के पिछले सीजन की यादों को ताजा करेगा। कपिल शर्मा और नवजोत सिंह सिद्धू के फिर से एक साथ आने पर दर्शक हंसी, मजाक और यादों के मनोरंजक मिश्रण की उम्मीद कर सकते हैं, जो एक शानदार अनुभव बना देगा। शो का जारी किया गया नया प्रोमो बहुत मजेदार है। नए प्रोमो में कपिल शर्मा ने नवजोत सिंह सिद्धू की वापसी का मजाक उड़ाते हुए कहा कि सुनील ग्रोवर ने उनकी नकल करने में महारत हासिल कर ली है। सुनील अब सिद्धू जी का रूप के रहे हैं। इस पर खुद सिद्धू कहते हैं कि यहां असली सिद्धू हैं। इस हल्के-फुल्के अंदाज में अर्चना पूरन सिंह घबराई हुई आती हैं, जो सिद्धू को जज की कुर्सी पर देख घबरा जाती हैं। फिर वे कपिल से पूछती हैं कि क्या सिद्धू की वापसी का मतलब यह है कि उन्हें शो के जज के रूप में बदल दिया गया है।

इसके साथ प्रोमो में सिद्धू, अर्चना और कपिल के बीच हुई बातचीत के कई मजेदार पल दिखाए गए। सिद्धू के साथ इस एपिसोड में क्रिकेटर हरभजन सिंह भी अपनी पत्नी गीता बसरा के साथ शो का हिस्सा होंगे। सुनील ग्रोवर भी सिद्धू के रूप में वापसी करेंगे। सिद्धू को फिर कपिल के साथ देख दर्शक भी खुश हैं।

सिद्धू ने क्यों छोड़ा था कपिल का शो

दरअसल, नवजोत सिंह सिद्धू ने 2019 में द कपिल शर्मा शो छोड़ दिया था। फरवरी 2019 में पुलवामा हमले पर उनकी टिप्पणियों के बाद उनकी विदाई आलोचनाओं के कारण हुई थी। आतंकवादी हमले के बाद, सिद्धू ने कहा कि आतंकवाद को पूरे देश से नहीं जोड़ा जाना चाहिए और शत्रुता पर बातचीत की आवश्यकता पर जोर दिया। उनकी टिप्पणियों ने काफी विवाद खड़ा कर दिया और शो से उन्हें हटाने की मांग की गई। सार्वजनिक आक्रोश के कारण अंततः उनकी जगह अर्चना पूरन सिंह ने ले ली, जो तब से शो में मौजूद हैं।

जन्मदिन पर राघव चड्ढा संग परिणीति चोपड़ा ने लिया गंगा मैया से आशीर्वाद

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और उनकी एक्ट्रेस पत्नी परिणीति चोपड़ा रविवार को वाराणसी पहुंचे। यहां उन्होंने दशाश्वमेध घाट पर होने वाली मां गंगा की आरती में शिरकत की। गंगा आरती के दौरान दोनों भक्ति में लीन दिखाई दिए।

सांसद राघव चड्ढा और उनकी पत्नी परिणीति चोपड़ा ने गंगा आरती भी की इस अवसर पर उनके परिवार वाले भी मौजूद रहे। गंगा सेवा निधि अध्यक्ष सुशांत मिश्रा ने उन्हें अंग वस्त्र और प्रसाद भी भेंट किया। इससे पहले आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के घर पहुंचकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने उन्हें आशीर्वाद दिया था।

इसकी कुछ तस्वीरें सांसद के कार्यालय ने साझा की हैं। राघव और उनकी पत्नी परिणीति ने अपने निवास पर एक भव्य पूजा का आयोजन किया, जबकि जगद्गुरु ने समारोह की अध्यक्षता की और बाद में पूरे परिवार को आशीर्वाद दिया। इससे पहले राघव,परिणीति के साथ उनके परिवार के सदस्यों ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और अन्य हिंदू संतों का स्वागत किया।

बता दें कि राघव चड्ढा और फिल्म अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा पिछले साल राजस्थान के उदयपुर में लीला पैलेस होटल में विवाह बंधन में बंधे थे। उनके भव्य विवाह समारोह में करीबी दोस्त और परिवार के लोग शामिल हुए थे। इसके अलावा मनोरंजन उद्योग और राजनीति की दिग्गज हस्तियां उनकी डेस्टिनेशन वेडिंग में शामिल हुई थीं।

दोनों ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपने प्यार भरे पोस्ट से सभी का ध्यान आकर्षित किया था। परिणीति के 36वें जन्मदिन पर उनके पति राघव ने कई तस्वीरें पोस्ट की थीं। उन्होंने पोस्ट के साथ लिखा, आपकी हंसी, आपकी आवाज, आपकी सुंदरता, आपकी शालीनता - कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता है कि एक व्यक्ति में भगवान इतना सब कुछ कैसे दे सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

विक्की ने खुद बनाया अपना करियर : शाम कौशल

विक्की कौशल आज फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं। मसान, सैम बहादुर, सरदार उधम सिंह जैसी फिल्मों से विक्की ने अपनी अलग पहचान बनाई है। बावजूद इसके कि विक्की एक सीनियर स्टंट डायरेक्टर शाम कौशल के बेटे हैं, उनकी राह आसान नहीं रही है। विक्की ने खूब स्ट्रगल किया है। इतना ही नहीं उन्हें कई बार रिजेक्शन और जिल्लत भी झेलनी पड़ी है। कितनी बार उनका ऑडिशन तक लेने से मना कर दिया जाता था। इस बात का खुलासा खुद विक्की के पिता शाम कौशल ने किया। उन्होंने बताया कि वो शुरू से चाहते थे कि उनके बच्चे पढ़ाई पर पूरा ध्यान दें। उनके लिए ये किसी शॉक से कम नहीं था जब दोनों बेटों ने कहा कि वो एक्टर बनना चाहते हैं। लेकिन शाम उन्हें रोक नहीं सकते थे, क्योंकि वो भी सालों से इस इंडस्ट्री का हिस्सा रहे हैं। शाम ने कहा-मैं मना नहीं कर सकता था क्योंकि मैं उसी इंडस्ट्री से कमा रहा था। मुझे लगा कि कोई मेरे सम्मान में उन्हें चाय पिला सकता है, लेकिन कोई भी उनके साथ फिल्म में करोड़ों का इन्वेस्टमेंट नहीं करेगा। क्योंकि मैं भी एक गांव से आया हूं और कड़ी मेहनत करता हूं, इसलिए मुझे विश्वास था कि अगर वो ईमानदार रहे और प्रयास करते रहे, तो उन्हें मना नहीं किया जाएगा। शाम ने साफ किया कि वो हमेशा एक पिता के रूप में मौजूद थे, लेकिन वो प्रोफेशनली उनकी सहायता नहीं कर सकते थे। उन्होंने कहा, एक एक्शन डायरेक्टर के रूप में, मैंने कभी किसी से उन्हें काम देने के लिए संपर्क नहीं किया। कई बार लोग ये कहकर भी मना कर देते थे कि विक्की का क्या ऑडिशन लेना। शाम ने हाल ही में बताया था कि वो डंकी में विक्की के फायर सुसाइड सीन को डायरेक्ट करते हुए वो डर गए थे। शाम ने कहा कि वो काम के मामले में बड़े निर्दयी है। मैं नहीं सोचता कि ये कैसे होगा। आज भी जब मुझे फिल्में मिलती हैं, जब मैं सीक्वेंस की इमेजिन करता हूं, तो मैं आगे पीछे नहीं सोचतना, लेकिन आदमी का मन चोर होता है, वो डरता है। मैं विक्की को वो आग वाला स्टंट करता देखकर डर गया था।

इन्हें कहा जाता था अनपढ़ भारतीय इंजीनियर, कालका-शिमला हेरिटेज रेलवे लाइन बिछाने में की थी मदद

शिमला। विश्व धरोहर कालका शिमला रेल लाइन का जब भी जिक्र होता है, तब बाबा भलकु का नाम जरूर लिया जाता है। लेकिन, बहुत से लोग बाबा भलकु के बारे में नहीं जानते। यह वही शख्स थे, जिनकी बदौलत कालका-शिमला रेल लाइन का काम बड़ोग से आगे शुरू हो पाया था। हेरिटेज रेल लाइन की सबसे लंबी टनल नंबर-33 को बनाने में बाबा भलकु का सबसे बड़ा योगदान था।

हालांकि, इसके अलावा भी उन्होंने अंग्रेजों के साथ मिलकर कई अन्य छोटी सुरंगों और रेलवे ट्रैक को बनवाने में मदद की थी। बाबा भलकु पढ़े लिखे नहीं थे, इसलिए उन्हें 'अनपढ़ इंजीनियर' भी कहा जाता है। उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर अक्सर कई प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन शिमला में आज भी होता है। बाबा भलकु शिमला से करीब 40 किलोमीटर दूर स्थित चायल क्षेत्र के झाझा गांव के रहने वाले थे। वह एक संत थे और पढ़े-लिखे नहीं थे। लेकिन, जो कार्य पढ़े-लिखे अंग्रेजी अफसर नहीं कर पाए, उस कार्य को बाबा भलकु ने कर दिखाया था। उन्होंने कई ऐसे कार्य किए, जिसे अंग्रेजी सरकार के कई बुद्धिजीवी नहीं कर पाए। उनके किए गए कार्यों के लिए उस समय की अंग्रेजी सरकार ने उन्हें सम्मान भी दिया था। शिमला के पुराना बस अड्डे पर उनकी स्मृतियों को समेटे हुए एक म्यूजियम भी बनवाया गया है। कालका-शिमला रेल लाइन की टनल नंबर-33 को बनाने का जिम्मा अंग्रेजी सरकार के इंजीनियर कर्नल बड़ोग को दिया गया था। कर्नल बड़ोग की कैलकुलेशन में गड़बड़ी होने के कारण सुरंग के दोनों छोर आपस में नहीं मिल पाए। इसलिए अंग्रेजी सरकार ने कर्नल बड़ोग पर सरकारी पैसों की बर्बादी के लिए जुर्माना लगा दिया। बड़ोग यह बदनामी सहन नहीं कर पाए और खुद को गोली मार ली। इसके बाद सुरंग को बनाने का जिम्मा इंजीनियर एचएस हैरिंगटन को दिया गया। हैरिंगटन ने बाबा भलकु की मदद से 1143.16 मीटर लंबी सुरंग का निर्माण पूरा किया।

अजब-गजब | महारानी एलिजाबेथ प्रथम ने यहां भूत देखने का किया था दावा

इस महल में रहते हैं 25 भूत, ऊंची हील के साथ घूमते देखे गये हैं कई बार

ब्रिटिश साम्राज्य अपने खूबसूरत भवनों के लिए जाना जाता है। इनमें से एक बहुत ही खूबसूरत महल है, जिसका नाम विंडसर कैसल है। हालांकि कम लोग ही जानते हैं कि यह एक भूतिया महल है। इस महल में रुकने वाले कई मेहमानों ने भूत देखने के दावे किए हैं। ब्रिटेन की महारानी ने भी यहां भूत देखा है। बताया जाता है कि विंडसर कैसल में कम से कम 25 लोगों की आत्माएं रहती हैं, जिनके होने का एहसास कई बार मेहमानों को हुआ।

विंडसर कैसल पहले महारानी का निवास हुआ करता था। उनकी मौत के बाद कई लोगों ने वहां महारानी का भूत देखने का दावा किया। ट्रैवल साइट विजिट ब्रिटेन के मुताबिक मौजूदा महारानी ने एलिजाबेथ प्रथम का भूत देखने का दावा किया था। आमतौर पर वो लाइब्रेरी में देखा जाता है, जो ऊंची हील के जूते के साथ घूमता है। उसे देखकर महारानी काफी डर गई थीं।

द एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक उनके सामने आने से पहले उनके कदमों को सुना जा सकता है। भूतों पर किताब लिखने वाले रिचर्ड जोन्स ने एक गार्ड के अनुभव को बताया। उस दौरान महारानी एलिजाबेथ प्रथम के भूत को लाइब्रेरी के बाहरी कमरे में देखा गया था। इसके अलावा जॉर्ज 2 के भूत को दूसरे कमरों में देखा गया। कहा जाता है कि उस महल में 25 भूत रहते हैं। इसके अलावा वॉलिंगटन हॉल में भी लोगों ने भूत देखने का दावा किया था, जो पहले महल था लेकिन अब होटल में तब्दील हो चुका है। लंदन में हार्ले स्ट्रीट स्किन क्लीनिक के सह-संस्थापक और हॉल के मालिक लेस्ली रेनॉल्ड्स ने द सन को बताया था कि उनकी पोती रिट्रीट में सोई थी। कुछ देर बाद उसने महसूस किया कि उसके पैरों में कोई गुदगुदी कर रहा है। जब उसने उठकर देखा तो वहां पर कुछ भी नजर नहीं आया। बाद में बहुत से लोगों ने उनको बताया कि गुदगुदी किसी और ने नहीं बल्कि क्वीन मैरी के भूत ने की थी। जिसके बाद उनके होश उड़ गए। कुछ लोगों ने तो भूत के बेड पर कूदने की भी बात कही।

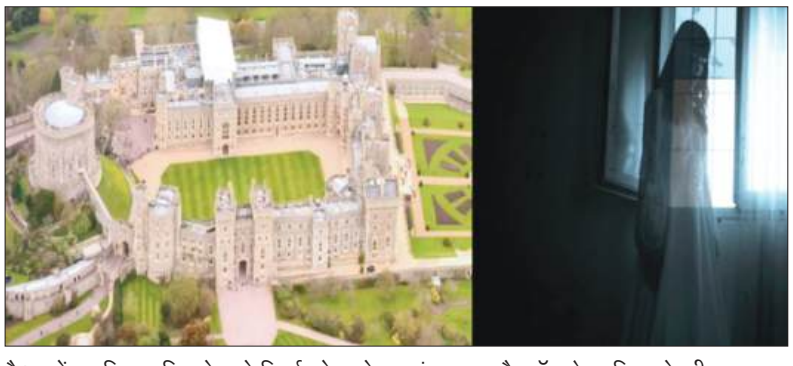

'मोदी-योगी देश तोड़ने पर उतारू'

» कहा- पीएम विधायकों को खरीदने और सरकार गिराने में विश्वास रखते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पलामू। झारखंड में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ पर हमला बोला है। पलामू में एक जनसभा में शामिल होने के दौरान खरगे ने कहा कि पीएम मोदी कह रहे हैं एक हैं तो सुरक्षित हैं। यूपी के सीएम योगी कह रहे हैं बाटेंगे तो काटेंगे। उन्हें तय करने दीजिए कि कौन सा नारा चलेगा। उन्होंने कहा कि एक सच्चा योगी बांटेगे तो कांटेगे जैसी भाषा का इस्तेमाल नहीं कर सकता। ये लोग अब देश तोड़ने पर उतर आए हैं। इसलिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। अगर वो कांग्रेस की तरह सबको साथ लेकर काम करते तो ऐसी बातें नहीं होतीं।

उनकी मंशा एकता को खत्म करने और अपना वर्चस्व दिखाने की है। जबकि हमने देश को सुरक्षित रखा है। खरगे ने कहा कि पीएम के आदेश पर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ ईडी और सीबीआई जांच कराई जा रही है। हम इससे डरने वाले नहीं हैं।

खरगे बोले- कांग्रेस ने देश को सुरक्षित रखा

हमने आजादी के लिए बलिदान दिया है। चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि हर पार्टी और हर नेता अपने कार्यकर्ताओं पर भरोसा रखता है और हमें चुनाव जीतने की उम्मीद है। मुझे उम्मीद है कि गठबंधन 100प्रतिशत जीतेगा और झारखंड में सरकार बनाएगा। महाराष्ट्र में भी हम अच्छी स्थिति में हैं। हर कोई मिलकर काम कर रहा है और हमारा गठबंधन अपनी सरकार बनाएगा। सोनिया गांधी ने राजीव गांधी के एक हत्यारे को माफ कर दिया, प्रियंका गांधी ने हत्यारे को गले लगा लिया, यह कांग्रेस की करुणा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पीएम मोदी विपक्ष को दबाने और निर्वाचित सरकारों को गिराने के लिए विधायकों को बकरियों की तरह खरीदते और खिला-पिलाकर काट देते हैं। मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अदाणी और अंबानी के साथ मिलकर सरकार चला रहे हैं। मोदी जी सरकारें गिराने में विश्वास रखते हैं। वह विधायक खरीदते हैं। उनका काम विधायकों को बकरी की तरह अपने पास रख लेना, पालना और फिर बाद में काट कर खाना है।

बोलीं- अमीरों की पार्टी है भाजपा

चुनाव आयोग पर बरसीं कल्पना सोरेन

झामुमो की स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन ने कहा कि आयोग ने उनके चुनाव प्रचार के लिए हेलीकॉप्टर उड़ाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। कल्पना ने कहा कि कोई भी ताकत झारखंड में झामुमो को सत्ता में लौटने से नहीं रोक सकती। हालांकि, झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रवि कुमार ने बताया कि ओडिशा के पास भारतीय वायुसेना के विमानों की आवाजाही के कारण हेलीकॉप्टर को घाटशिला में लगभग एक घंटे तक रोका गया था। इस मामले में एक अधिकारी को ड्यूटी से हटा दिया गया है। चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कल्पना सोरेन ने भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नहीं चाहती कि लड़कियां शिक्षित हों और शारीरिक-मानसिक रूप से मजबूत हों। उन्होंने दावा किया कि यही कारण है कि भाजपा ने अपने शासनकाल में राज्य के स्कूलों को बंद कर दिया था। सिर्फ यह दिखावा किया कि वह झारखंड के लोगों की भलाई चाहती है। कल्पना सोरेन ने भाजपा को अमीरों और व्यापारियों की पार्टी बताया और कहा कि भाजपा आदिवासी शब्द से नफरत करती है। हमारी संस्कृति और पहचान को खत्म करना चाहती है। झामुमो नेता ने सवाल किया कि भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने आदिवासी धर्म सरना कोड को अभी तक क्यों मान्यता नहीं दी। इस दौरान कल्पना सोरेन ने झामुमो-कांग्रेस गठबंधन उम्मीदवार सोना राम सिंकू को वोट देने की अपील की।

ईसी एनडीए के नेताओं की भी करे जांच : राउत

» सामान की चेकिंग को लेकर महाराष्ट्र में मचा बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र चुनाव से पहले नेताओं की एक-दूसरे पर बयानबाजी जारी है। वहीं अब सामान की चेकिंग को लेकर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग से भी सवाल किया है। संजय राउत कहा, हमारे सामान की जांच की जा रही है (ईसी पर्यवेक्षकों द्वारा), हालांकि, क्या आप एकनाथ शिंदे, अजीत पवार, देवेंद्र फडणवीस, नरेंद्र मोदी, अमित शाह के हेलीकॉप्टरों, कारों की भी जांच कर रहे हैं... वहां क्या है? क्या चुनाव है। संजय राउत ने आगे कहा, आयोग के पर्यवेक्षक यह नहीं देख पा रहे हैं कि महाराष्ट्र में पैसा कैसे बांटा जा रहा है? हम उन्हें बार-बार बता रहे हैं कि क्या हो रहा है।

इससे पहले महाराष्ट्र चुनाव को लेकर आ रहे सर्वे के नतीजों पर भी संजय राउत ने टिप्पणी की थी। संजय राउत ने कहा था कि सर्वे पर बिल्कुल भरोसा मत कीजिएगा। ऐसा ही सर्वे लोकसभा चुनाव के दौरान आया था और इसमें पीएम मोदी के लिए 400 पार की बात कही गई थी। एमवीए 160-170 सीटें जीतेगी।

मोदी का बैग भी चेक करना, वहां मत झुकना : उद्धव

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के चीफ उद्धव ठाकरे प्रचार के लिए यवतमाल के वनी एयरपोर्ट पहुंचे। यहां हेलीकॉप्टर से उतरते ही चुनाव आयोग के अधिकारी उनका बैग चेक करने आए, जिसे लेकर उद्धव नाराज हो गए। उद्धव ने अधिकारियों के बैग चेक करने का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर शेयर किया। वीडियो में उद्धव अधिकारियों से मोदी-शाह के बैग चेक करने की मांग करते नजर आए। उन्होंने कहा- मेरा बैग चेक कर लीजिए। चाहे तो मेरा यूरिन पॉट भी चेक कर लीजिए, लेकिन अब मुझे मोदी के बैग चेक करते हुए भी आप लोगों का वीडियो चाहिए। वहां आप अपनी फूंक मत झुका देना। आपको जो खोल कर देखना है देख लीजिए। यह वीडियो मैं रिलीज कर रहा हूं। इसके बाद मैं आप लोगों को खोलूंगा।

शाह भी नहीं बचा पाए पशुपति कुमार पारस का ऑफिस

» पटना में खाली करना पड़ा पार्टी दफ्तर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बागी चाचा पशुपति कुमार पारस को अमित शाह भी नहीं बचा पाए। उन्हें पटना में राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी का कार्यालय खाली करना पड़ा। घटनास्थल की तस्वीरों में 1 व्हीलर रोड स्थित बंगले से सारा सामान बाहर ले जाते हुए दिख रहा है। बिहार सरकार के भवन निर्माण विभाग ने उन्हें ऑफिस खाली करने का नोटिस दिया था। कोर्ट और भवन निर्माण विभाग ने उन्हें ऑफिस खाली करने के लिए 13 नवंबर तक का समय दिया था, लेकिन उससे पहले ही ऑफिस खाली कर दिया गया और पारस अपने एमएलए कॉलोनी स्थित घर में शिफ्ट हो गए।

पशुपति पारस को यह बंगला चार दशक पहले विधायक रहने के दौरान मिला था। फिर चुनाव हारने के बाद यह घर दिवंगत राम विलास पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी के नाम पर आवंटित कर दिया गया। अक्टूबर 2020 में राम विलास के निधन के बाद चिराग पासवान और पशुपति कुमार पारस के बीच मतभेद के बाद एलजेपी दो हिस्सों में बंट गई। पूर्व केंद्रीय मंत्री पारस ने बंगला बचाने की हरसंभव कोशिश की। उन्होंने पटना उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका भी दायर की, लेकिन इससे कोई मदद नहीं मिली।

डॉक्टरों के अभाव में जी रहा दोस्तपुर सीएचसी

» पूरे हॉस्पिटल में गंदगी का बोलबाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। एक ओर प्रदेश की बीजेपी सरकार राज्य में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का दंभ भरती रहती है। लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों से बिल्कुल उलट नजर आती है। भाजपा सरकार के दावों की पोल खोलता है दोस्तपुर का सीएचसी। जहां डॉक्टरों, दवाओं और बुनियादी सुविधाओं का अभाव साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पा रहा और स्वास्थ्य सुविधाओं की भी कमी से लोग परेशान हैं।

अधीक्षक डॉ. अजीत यादव के अलावा अस्पताल में कुछ डॉक्टर समय पर उपस्थित होते हैं, लेकिन विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी है। यहां हड्डी रोग, मानसिक रोग, श्वास रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की तैनाती नहीं है। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. धनंजय वर्मा हफ्ते में तीन दिन उपलब्ध हैं, वहीं महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. आस्था अग्रवाल की तैनाती सिर्फ एक दिन ही रहती हैं। इसके अलावा बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मंजू सिंह की तैनाती है, लेकिन अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता न होना बड़ी समस्या है। सफाई और बुनियादी सुविधाओं का भी बुरा हाल है। मरीजों के बिस्तरों की चादरों पर गंदे धब्बे दिखाई देते हैं। अस्पताल परिसर में कूड़े के ढेर पड़े हुए हैं, जबकि शराब की बोतलें भी जगह-जगह पड़ी हैं। प्रसूति वार्ड में नवजात बच्चों को दूध भी उपलब्ध नहीं हो रहा है और प्रसूता को स्वस्थ आहार नहीं दिया जा रहा।

अस्पताल में दवाओं की कमी, लिखी जा रहीं बाहर की दवाएं

> अधीक्षक डॉ. अजीत यादव ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि उनकी जानकारी में सादे पत्रे पर दवाएं लिखने का मामला नहीं है। ऐसा भी हो सकता है कि किसी ने खुद दवा लिखवा ली हो।
> **- अधीक्षक डॉ. अजीत यादव**

दवाओं को लेकर भी अनियमितताएं

अस्पताल में दवाओं को लेकर भी अनियमितताएं सामने आई हैं। अस्पताल के डॉक्टरों के चेम्बर में अक्सर एक सादे पन्ने या मेडिकल स्टोर के लेटरहेड पर दवाएं लिखी जा रही हैं। मौके पर प्रदीप गुप्ता नामक एक मरीज को कंधे के दर्द के इलाज के लिए अस्पताल से सिर्फ दो दवा मिली, जबकि छह दवाएं बाहर से लिख दी गईं।

पाकिस्तान की आईसीसी को गीदड़भभकी

» कहा- मेजबानी छिनी तो नहीं लेंगे चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा

» भारत के पाक आने से इंकार करने के बाद बौखलाई पीसीबी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अगले साल यानी 2025 में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर आईसीसी के सामने मुश्किल खड़ी हो गई है। क्योंकि इस बार चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान को करना है। लेकिन सुरक्षा कारणों के चलते पाकिस्तान में खेलने के लिए भारत ने साफ इंकार कर दिया गया है।

अब बीसीसीआई के ये जानकारी देने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को मिर्ची लगना तो तय ही था। क्योंकि बीसीसीआई के इस फैसले के बाद अब चैंपियंस ट्रॉफी को हाईब्रिड मोड में कराए जाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। यानी अब टूर्नामेंट में भारत के सारे मैच पाकिस्तान में न होकर किसी और स्थान पर कराए जा सकते हैं। जिसके चलते अब पाकिस्तान की ओर से भी आईसीसी पर दबाव बनाने के लिए गीदड़ भभकी दी गई है। पीसीबी के हवाले से एक रिपोर्ट में बताया गया कि अगर पाकिस्तान से टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार छीन लिए जाते हैं, तो वह अगले साल होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से अपना नाम वापस ले सकता है। ये जानकारी पीसीबी के सूत्रों के हवाले से दी गई है।

वनडे विश्वकप के समय भी दी थी भभकी

पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा कि वह सरकारी अधिकारियों के संपर्क में थे और इंतजार कर रहे थे कि प्रधान मंत्री शाहबाज शरीफ क्या निर्देश देते हैं। इसके साथ ही यह अटकलें भी हैं कि देश की सरकार पीसीबी को निर्देश दे सकती है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी से शुरू होने वाले किसी भी आईसीसी या अन्य बहु-टीम आयोजनों में भारत के खिलाफ तब तक खेलना बंद कर दे जब तक भारत सरकार अपनी नीति नहीं बदलती है। इससे पहले भारत में हुए 2023 के वनडे विश्वकप को लेकर भी पाकिस्तान ने ये कहा था कि अगर भारत हमारे साथ द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेल सकता और हमारे यहां टूर्नामेंट खेलने नहीं आ सकता, तो हम भी भारत में विश्वकप खेलने नहीं जाएंगे। लेकिन अंत में पाकिस्तान की ये गीदड़ भभकी भी काम नहीं आई थी और उसे भारत आना पड़ा था।

यूपीपीएससी में दूसरे दिन भी छात्रों का प्रदर्शन जारी

» अभ्यर्थियों ने राष्ट्रगान से की धरने की शुरुआत

» सियासत भी गरमाई, सपा ने बीजेपी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पीसीएस व आरओ/एआरओ की एक दिन एक पाली में परीक्षा और नार्मलाइजेशन रद करने की मांग को लेकर छात्रों का दूसरे दिन भी प्रदर्शन जारी है। इस प्रदर्शक को लेकर सियासत भी गरमाई है। सपा ने भाजपा सरकार को जमकर घेरा है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा है कि योगी सरकार युवाओं को नौकरी तो दे नहीं रहीं उन पर पुलिस द्वारा जुल्म कर रही है। उधर सैकड़ों की संख्या में छात्र उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के बाहर एकत्र होने लगे हैं। हालांकि पुलिस ने अपनी स्ट्रेटजी में बदलाव किया है। आयोग के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल व पीएसी तैनात है। प्रदर्शन के दूसरे दिन की शुरूआत छात्रों ने राष्ट्रगान करने के बाद किया।

वहीं सुबह जिलाधिकारी व कमिश्नर एक बार फिर आंदोलनकारी छात्रों से बात करने पहुंचे। जिलाधिकारी ने लाउडस्पीकर के माध्य से छात्रों से बात की। छात्रों से कहा- हम आपके लिए बातचीत का एक मंच दे रहे हैं। आप अपनी बातें अपने प्रतिनिधी मंडल के माध्यम से आयोग के अधिकारियों के समक्ष रख सकते हैं। अधिकारियों ने अभ्यर्थियों से प्रदर्शन खत्म करने की बार-बार अपील की।

छात्रों ने आयोग पर लगाए कई आरोप

एक दिन एक पाली में परीक्षा और नार्मलाइजेशन रद करने की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के बाहर प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कहा- परीक्षा कराने में अक्षमता छुपाने के लिए आयोग दो दिवसीय परीक्षा और नार्मलाइजेशन के नाम पर अभ्यर्थियों के भविष्य से खेल रहा है। ऐसे में डेढ़ साल से परीक्षा का इंतजार कर रहे प्रतियोगी छात्रों को यह आयोग ओवरएज करके ही दम लेगा।

प्रयागराज में आंदोलन कर रहे छात्रों की चिंताएं गंभीर और महत्वपूर्ण: मौर्य

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का बयान सामने आया है। केशव मौर्य ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा

लिखा अधिकारी छात्रों की मांगों को संवेदनशीलता से सुनें और शीघ्र समाधान निकालें। केशव मौर्य ने एक्स पर, लिखा पीसीएस परीक्षा में एक से अधिक दिन की परीक्षा, निजी संस्थानों को केंद्र न बनाने और मानकीकरण प्रक्रिया को लेकर छात्रों की चिंताएं गंभीर और महत्वपूर्ण हैं। छात्रों की मांग है कि परीक्षाएं पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी हों, ताकि उनकी मेहनत का सम्मान हो और भविष्य सुरक्षित रहे।

चुनावों से पहले झारखंड में रेड से सियासत हुई 'लाल'

» झामुमो ने भाजपा को घेरा बोली- साजिश कर रही बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 43 सीटों पर बुधवार को मतदान होगा जबकि दूसरे चरण के तहत 38 सीटों पर 20 नवंबर को मतदान होगा। उधर झारखंड में मतदान से एक दिन पहले ईडी की रेड पर सियासी बवाल भी मच गया है।

जेएमएम ने भाजपा पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि वह साजिश कर रही है क्योंकि उसकी यहां पर हार होने जा रही है। जेएमएम के नेताओं का कहना है कि ऐसा बीजेपी अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए करवा रही है, जो जांच एजेंसियों का दुरुपयोग है।

बंगाल-झारखंड के कई स्थानों पर ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली। चुनाव से पहले प्रवर्तन निदेशालय ने बांग्लादेशी घुसपैठ से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में मंगलवार को पश्चिम बंगाल और चुनावी राज्य झारखंड के दर्जनों स्थानों पर छापेमारी की। दोनों राज्यों के 15 स्थानों पर ईडी ने छापा मारा। आधिकारिक सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। एजेंसी ने सितंबर में धन सोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक मामला दर्ज किया था, जिसमें झारखंड में बांग्लादेशी महिलाओं की घुसपैठ की जांच के दौरान काले धन का खुलासा हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के अन्य नेता लगातार झारखंड सरकार पर बांग्लादेशी घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगा रहे हैं। बता दें कि एजेंसी द्वारा दर्ज प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) जून में रांची में बरियातु पुलिस स्टेशन में दर्ज झारखंड पुलिस की एक प्राथमिकी पर आधारित है।

चुनाव हारने की कगार पर बीजेपी : मनोज पांडे

जेएमएम नेता मनोज पांडे के मुताबिक, आप चुनाव से पहले ऐसी कवायद करते हैं और एक नैरेटिव सेट करने की कोशिश करते हैं, केंद्रीय एजेंसियों ने अब तक जो भी छापेमारी की उसमें कुछ नहीं हुआ, न ही वो कुछ बरामद कर पाए। अभी तक ईडी एक भी सबूत पेश नहीं कर पाई है। मनोज पांडे ने आगे कहा,इसके बावजूद केंद्रीय एजेंसियों को केंद्र सरकार के दबाव के आगे झुकना पड़ता है। ईडी की छापेमारी उसी का प्रतीक है।

कासगंज में मिट्टी में दबने से चार की मौत

» लोगों को निकालने के लिए मंगाई गई जेसीबी

» दो दर्जन से अधिक महिलाएं और बच्चे मिट्टी के अंदर दबे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कासगंज। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में सुबह-सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। यहां कस्बा मोहनपुरा में मिट्टी की ढाय में दबकर चार महिलाओं की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से अधिक महिलाओं और बच्चे मिट्टी के अंदर दब गए। तत्काल ही बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

सुरंग इतनी गहरी थी कि नीचे दबे महिलाओं और बच्चों को निकालने के लिए जेसीबी बुलानी पड़ गई। अंदर से निकाले गए महिलाओं और बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। ये हादसा कस्बा मोहनपुरा में गांव रामपुर और कातौर गांव के बीच मंगलवार सुबह करीब सात बजे हुआ। बताया गया है कि गांव रामपुर की महिलाएं और बच्चे मिट्टी लेने के लिए यहां आए थे। उसी समय मिट्टी का ढाय अचानक गिर गई। मिट्टी के नीचे करीब 20 महिलाएं और बच्चे दब गए। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। बताया गया है कि मिट्टी की ढाय अधिक खोखली थी। जब महिलाएं और बच्चियां मिट्टी खोद रहे थे, तभी ये उनके ऊपर गिर गई। अधिक गहराई के कारण मिट्टी में सभी काफी नीचे दब गए। बचाव के लिए आई टीम ने जेसीबी की मदद से मिट्टी को हटाने का काम किया।

सीएम योगी ने अधिकारियों को दिए उचित इलाज कराने के निर्देश

इस हादसे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। इसके साथ ही अधिकारियों को घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने और उनका उचित इलाज कराने का निर्देश दिया है।

मुंबई पुलिस ने शाहरुख को धमकी मामले में की गिरफ्तारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान को पिछले सप्ताह जान से मारने की धमकी दिए जाने के मामले में मुंबई पुलिस ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से एक अधिवक्ता को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

रायपुर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने बताया कि मुंबई पुलिस ने आज सुबह रायपुर पुलिस को सूचित किया कि उन्होंने शाहरुख खान को धमकी भरे कॉल से संबंधित अपनी जांच के तहत यहां पंडरी पुलिस थाना क्षेत्र से फैजान खान को गिरफ्तार किया है। सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शाहरुख खान को धमकी भरा कॉल फैजान के नाम से पंजीकृत फोन नंबर से किया गया था। मुंबई पुलिस ने सात नवंबर को मामले की जांच के दौरान रायपुर का दौरा किया था और फैजान खान को पूछताछ के लिए बुलाया था।

हाईकोर्ट ने ईडी को भेजा नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित उत्पाद शुल्क घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एजेंसी की शिकायत पर उन्हें जारी किए गए समन को चुनौती देने वाली आप नेता अरविंद केजरीवाल की याचिका पर मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय से जवाब मांगा।

» केजरीवाल की याचिका पर की कार्रवाई

न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने आपराधिक मामले की सुनवाई पर रोक लगाने से इनकार कर दिया और कहा कि निचली अदालत का आदेश, जिसे केजरीवाल ने चुनौती दी है, दो महीने पुराना है और कोई नया आदेश नहीं है। उच्च न्यायालय ने उस याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया, जिसमें मामले में एजेंसी द्वारा दायर शिकायत पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री को जारी समन को चुनौती दी गई है।

मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश के खिलाफ थे आप संयोजक

केजरीवाल ने मजिस्ट्रेट अदालत के उस आदेश के खिलाफ सत्र अदालत का रुख किया था, जिसमें उन्हें ईडी की शिकायत पर उसके समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने उन्हें जारी किए गए समन से बचने के लिए ईडी द्वारा दायर दो शिकायतों पर संज्ञान लेने के बाद मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा जारी समन को चुनौती दी थी। ईडी ने मजिस्ट्रियल अदालत के समक्ष शिकायतें दायर की थीं और मांग की थी कि दिल्ली की अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मामले में उन्हें जारी किए गए कई समन को नजरअंदाज करने के लिए केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाया जाए।

केजरीवाल के वकील ने इस आधार पर शिकायत की स्थिरता पर सवाल उठाया कि समन एक अधिकारी द्वारा जारी किया गया था, जबकि शिकायत किसी अन्य अधिकारी द्वारा दायर की गई थी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने सत्र अदालत के 17 सितंबर के आदेश को चुनौती दी है, जिसने समन को चुनौती देने वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।